केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

केमाशिबो/शैक्ष./ए.प्रो.एवं अ. निदे.(अ.छा.)/2026 **दिनांक: 16.04.2026**

परिपत्र संख्या: शैक्ष-22/2026

केमाशिबो से संबद्ध सभी विद्यालय के प्रमुख

विषय: जल पखवाड़ा 2026 के आयोजन के संबंध में।

"जल शक्ति अभियान: कैच द रेन" अभियान, जो 22 मार्च 2021 को प्रारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य वर्षा जल संचयन एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान का ध्यान जल स्रोतों का मानचित्रण एवं सूचीकरण, वैज्ञानिक योजना, जल शक्ति केंद्रों की स्थापना, वृक्षारोपण तथा जन-जागरूकता है। इन्हीं प्रयासों के क्रम में, 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक देशभर के सभी विद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थानों में जल पखवाड़ा मनाया जाएगा।

सभी विद्यालयों से अनुरोध है कि वे जल पखवाड़े 2026 में सक्रिय रूप से भाग लें तथा इस अवधि में निम्नलिखित सुझावात्मक गतिविधियों का आयोजन करें:

i. पखवाड़े के प्रथम कार्य दिवस पर तथा प्रतिदिन प्रातःकालीन सभा में जल शपथ का आयोजन किया जाए, जिसमें सभी विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी भाग लें।

ii. पखवाड़ा के प्रथम सप्ताह में SMCs/PTAs की बैठकें अथवा कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ, जिनमें विद्यालय एवं गृह दोनों स्तरों पर "जल संरक्षण" के महत्व पर ध्यान दिया जाए। जल संरक्षण विषय पर कार्यशालाओं को विद्यालयी पाठ्यचर्या में भी शामिल किया जाए, जिससे जागरूकता बढ़े।

iii. विद्यालयों में जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु जिला/ब्लॉक/क्लस्टर स्तर पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँ; विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताएँ तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँ।

iv. जल संरक्षण से संबंधित जागरूकता संदेशों पर वाद-विवाद आयोजित किए जाएँ और उन्हें विद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतित किया जाए। वैकल्पिक रूप से, जल संरक्षण से संबंधित फोटोग्राफ विद्यालयों में प्रदर्शित किए जाएँ।

इसके अतिरिक्त, जल पखवाड़ा के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना **अनुलग्नक-1** में संलग्न है। आपसे अनुरोध है कि जल पखवाड़ें 2026 को सफल बनाने हेतु विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करें।

विद्यालयों द्वारा आयोजित गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट, फोटोग्राफ सहित, प्रतिदिन निम्नलिखित गूगल लिंक पर प्रस्तुत की जाए: https://forms.gle/oLtmyGtp7mY5G2a57

शुभकामनाओं सहित!

हस्ता/-
(डॉ. प्रज्ञा एम. सिँह)
प्रोफेसर एवं निदेशक (शैक्षणिक)

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

निदेशालयों, संगठनों और संस्थानों के संबंधित प्रमुखों को यह अनुरोध करते हुए प्रति भेजी जा रही है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों तक यह जानकारी पहुँचाए:-

1. आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन, 18 इंस्टीट्यूशनल एरिया, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-16
2. आयुक्त, नवोदय विद्यालय समिति, बी-15, सेक्टर-62, इंस्टीट्यूशनल एरिया,नोएडा-201309
3. सचिव, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), जनजातीय कार्य मंत्रालय,भारत सरकार।
4. सचिव, सैनिक विदयालय सोसायटी, कमरा सं. 101, डी-1 विंग, सेना भवन, नई दिल्ली-110001
5. अध्यक्ष, ओडिशा आदर्श विद्यालय संगठन, एन-1/9, दूरदर्शन केंद्र के पास, डाकघर सैनिक विदयालय, नयापल्ली, भुवनेश्वर, ओडिशा-751005
6. शिक्षा निदेशक, शिक्षा निदेशालय, एनसीटी दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
7. जन अनुदेश निदेशक (विदयालय), संघ राज्य क्षेत्र, सचिवालय, सेक्टर 9, चंडीगढ़-160017
8. शिक्षा निदेशक, सिक्किम सरकार, गंगटोक, सिक्किम–737101
9. विद्यालय शिक्षा निदेशक, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर–791111
10. शिक्षा निदेशक, सरकार एएंडएन द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर–744101
11. विद्यालय शिक्षा निदेशक, लद्दाख, कमरा नंबर 101-102, भूतल, काउंसिल सचिवालय, कुरबाथांग, कारगिल – लद्दाख
12. विद्यालय शिक्षा निदेशक, आंध्र प्रदेश, तीसरा तल, बी ब्लॉक, अंजनेय टावर्स, वीटीपीएस रोड, भीमाराजू गुट्टा, इब्राहिमपटनम, आंध्र प्रदेश – 521456
13. निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, पुराना एचईसी हाई विदयालय, जेएससीए स्टेडियम रोड, जगन्नाथपुर, सेक्टर-III, धुर्वा, रांची-834004 (झारखंड)
14. नेवी एजुकेशन सोसाइटी, नौसेना शिक्षा निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय, वेस्ट ब्लॉक-वी, आरके पुरम, नई दिल्ली-110066
15. अपर महानिदेशक नौ सेना, ए-विंग, सेना भवन, डीएचक्यू, पीओ, नई दिल्ली-110001
16. सचिव एडब्ल्यूईएस, रक्षा मंत्रालय (सेना) का एकीकृत मुख्यालय, एफडीआरसी भवन संख्या 202, शंकर विहार (एपीएस के पास), दिल्ली कैंट-110010
17. अध्यक्ष, केमाशिबो के उप सचिव
18. सचिव/परीक्षा नियंत्रक/सभी निदेशक,केमाशिबो
19. सभी क्षेत्रीय निदेशक/क्षेत्रीय अधिकारी केमाशिबो, इस अनुरोध के साथ कि वे इस परिपत्र को अपने-अपने क्षेत्रों में बोर्ड से संबद्ध सभी विद्यालयों के प्रमुखों को भेजें
20. सभी संयुक्त सचिव/उप सचिव/प्रधाननिजी सचिव/वरिष्ठ निजी सचिव/अवर सचिव/सहायक सचिव
21. सभी प्रमुख/प्रभारी,केमाशिबो उत्कृष्टता केंद्र, केमाशिबो
22. प्रभारी आईटी इकाई, इस अनुरोध के साथ कि वे इस परिपत्र को केमाशिबो की शैक्षणिक वेबसाइट पर अपलोड करें।
23. प्रभारी, पुस्तकालय
24. रिकॉर्ड फ़ाइल

प्रोफेसर एवं निदेशक (शैक्षणिक)

Annexure - 1

Ministry of Education Department of School Education & Literacy

Suggested Action Plan for Jal Pakhwada (16th – 30th April, 2026)

1. Jal Shapath function may be organized wherein all students and teachers/staff may participate. Children to speak about and take pledge for water conservation.
2. Electronic banners may be created and uploaded on the departmental/state web portals to highlight the observance of the Jal Pakhwada. Publicity and awareness generation may be done through use of social media, as well as electronic and print media.
3. Holding meeting of SMCs/SMDCs/PTAs to highlight the importance of Water Conservation.
4. Water Conservation awareness messages to be posted on the website of the Department/ Organisations/ Schools.
5. A status check/ review can be done for piped water supply connection in the school in view of **Jal Jeevan Mission**.
6. Convene small group meeting of Bal Sansad/ School Cabinet specially to discuss the Jal Pakhwada activities in the school.
7. Prize distribution for participation of children, teachers and parents in competitions viz. Painting, Essay, Debate, Quiz, Slogan, Inter-school and Crafting, model making etc. to encourage Water Conservation.
8. All teachers may visit nearby villages to address the local communities on Water Conservation. They may also sensitize local community to stop wasting of water resources and to make them aware ongoing Jal Shakti Abhiyan.
9. Teachers and students in association with local representatives should propagate the theme of Jal Pakhwada among public in local areas.
10. Students may be asked to come out with imaginative slogans, posters and pamphlets on different themes such as water conservation etc, which can be later displayed in school exhibitions and on village/ town walls/ school premises.
11. To educate students learn about conservation of water. To sensitize students about the impact of scarcity of water. To empower students to learn to protect the natural sources of water. To help every students to save at least one litre of water per day. To encourage students towards judicious use and minimum wastage of water at home and school.
12. Competitions can be held in districts/blocks/clusters on Water.
13. Essay, Slogan, Elocution, Quiz, Painting, Skit, Poem, slogan writing competitions and Model making competition on Water.
14. Debates on Water.
15. Students may be taught about checking wastage of water.
16. Water from hand washing unit to be channelled to school gardens.
17. Children may be taught about the water borne diseases/diseases, safe handling of drinking water so that they practice proper hand and oral hygiene.
18. Audio visual programme to be undertaken to motivate students/employees and other for Water Conservation.
19. Encourage community members and students to make suggestions as to what new activities can be included under Jal Pakhwada and forward such suggestions to DoSEL, MoE.
20. All Schools/educational institutions may sum up their activities and work undertaken during the Jal Pakhwada and select best activity for forwarding to district/state authority for uploading on the website i.e. in public domain.

*****